टिटनेस / खसरा

जानलेवा बीमारियाँ है, इनसे बचा जा सकता है।

टिटनेस से बचाव हेतु

- गर्भवती महिला को टी.टी. के दो टीके अवश्य लगवायें। इससे माँ तथा होने वाले शिशु दोनों की टिटनेस से सुरक्षा हो जाती है।
- प्रसव स्वच्छ स्थान पर ही करायें।
- प्रसव कराने वाले का हाथ साबुन से धुला हो।
- नाल काटने के लिए नये ब्लेड का प्रयोग करें।
- नाल बांधने लिए साफ धागा प्रयोग में लायें।

शिशु में टिटनेस के लक्षण

- शुरू के दो दिन बच्चा मां का दूध ठीक से पीता है, तीसरे-चौथे दिन बच्चा दूध पीना बन्द कर देता है।
- शरीर अकड़ जाता है, झटके आ सकते है।

खसरा

लक्षण :

- बच्चे को खांसी, जुकाम, हल्का बुखार रहता है।
- आंखें लाल हो जाती है, पानी बहता है।
- माथे पर तथा कान के पीछे दाने निकल आते है।
- दाने चेहरे पर तथा फिर पूरे शरीर पर दिखाई पड़ते है।
- दाने हटने पर त्वचा पर धब्बे पड़ जाते हैं।
- अतिसार एवं निमोनिया खसरे के बाद प्रायः हो जाता है।

बचाव :

- बचाव के लिए 9 से 12 माह की आयु में बच्चे को टीका लगवाये जो जीवन भर सुरक्षा प्रदान करता है।

सिफ्सा लखनऊ के सौजन्य से पुर्नमुद्रित